प्रकाशन तिथि : 15 नवम्बर, 2023
प्रेषण तिथि : 19 नवम्बर, 2023

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2021-23
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 27 | अंक 17 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

सामाजिक आयोजनों में परछिद्रान्वेषी नहीं, सक्रिय सहयोगी बनें: संघप्रमुख श्री

आजकल शहरों में अधिकांश एकल परिवार हो गए हैं जिनमें सामूहिक और सहयोगी जीवन के संस्कार नहीं मिल पाते हैं। ऐसे में प्रतिभा सम्मान समारोह और स्नेहमिलन जैसे ये आयोजन उस एकाकीपन को समाप्त करके हमें एक साथ बैठने का अवसर प्रदान करते हैं, इसलिए इनका आयोजन करने वाले धन्यवाद के पात्र हैं। लेकिन ऐसे आयोजनों में हमारी क्या भूमिका हो, उस पर हम सभी को विचार करने की आवश्यकता है। हम इसमें सक्रिय सहयोगी बनते हैं अथवा छोटी-छोटी बातों पर छींटाकशी करते हैं, इस पर चिंतन करना चाहिए। छींटाकशी करने से इन आयोजनों द्वारा विकसित होने वाले पारिवारिक भाव के निर्माण में विघ्न पैदा होता है। अहंकार और ईर्ष्या के भाव से किया जाने वाला परछिद्रान्वेषण परिवार को जोड़ने का नहीं तोड़ने का काम करता है, इसलिए ऐसा न करके हम सभी को ऐसे आयोजनों में सक्रिय सहयोगी बनना चाहिए। बिना किसी स्वार्थ के ऐसे आयोजन करने वाले लोगों के त्याग, श्रम और सेवा भाव को हम तभी अनुभव कर सकेंगे जब हम इसमें सक्रिय रूप से भाग लेंगे। उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने जयपुर में जामडोली के निकट स्थित राजपूतों की ढाणी में 29 अक्टूबर को आयोजित राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से बार-बार क्यों एकत्रित होना चाहिए, इस पर भी चिंतन करें। भगवान ने हमको क्षत्रिय कुल में जन्म दिया है लेकिन इसकी महत्ता को कभी हम आंकते नहीं हैं। ऐसे आयोजन हमें उस महत्ता को आंकने का अवसर प्रदान करते हैं। केवल अपने लिए जीना श्रेष्ठ कार्य नहीं है। परिवार की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करें लेकिन केवल इस तक सीमित नहीं रहें, अपने दायरे को बढ़ाकर समाज, राष्ट्र, मानवता और प्राणिमात्र की सेवा में लगें। क्षत्रिय का जीवन केवल अपने लिए नहीं होता बल्कि अन्यों के लिए होता है, हमारे पूर्वजों ने इसी तरह का जीवन जीया और हमें भी उनसे प्रेरणा लेकर इस प्रकार का जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

गोंडल (राजकोट) में स्नेहमिलन कार्यक्रम का आयोजन

गुजरात के गोहिलवाड़-सौराष्ट्र संभाग के हालार प्रांत में पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त एक स्नेहमिलन कार्यक्रम का आयोजन 29 अक्टूबर को किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय अजीत सिंह जी धोलेरा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जिस क्षत्रिय कुल में हमें भगवान ने जन्म दिया है, उस कुल की मर्यादा के अनुरूप ही हमारा आचरण होना चाहिए। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें इसी बात का शिक्षण देता है। उन्होंने सभी को पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह में शामिल होने हेतु दिल्ली आने का निमंत्रण भी दिया। वरिष्ठ स्वयंसेविका जागृतिबा हरदासकाबास ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ को वास्तव में तभी जाना जा सकता है, जब हम संघ की शाखा एवं शिविरों में सक्रिय रूप में भाग लें। संघ किस प्रकार से हमारे जीवन को रूपांतरित करता है, इसे केवल अनुभव से ही जाना जा सकता है। इसलिए केवल संघ के बारे में जानकारी प्राप्त करके, उसे दूर से देख कर ही संतुष्ट न हों, बल्कि स्वयं संघ के सक्रिय सहयोगी बनें और अपनी संतानों को भी संघ की शाखा एवं शिविरों में भेजें। उन्होंने संघ के महिला विभाग द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के संबंध में भी जानकारी दी। छनुभा पछेगाम, नरेंद्र सिंह जाडेजा, एसआरपी उपाधीक्षक वी.एम. परमार एवं शक्ति सिंह कोटडा ने भी अपने विचार रखे। यह कार्यक्रम गोंडल स्थित एसआरपी ग्राउंड में संघ के स्वयंसेवक शक्ति सिंह कोटड़ा द्वारा एसआरपी से अपनी सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। गोंडल राजपूत समाज की सहयोगी संस्थाओ के प्रमुख एवं संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक बलवंत सिंह पांची सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

केसुआ (जालौर) और गड़ा (जोधपुर) में माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न

जालौर संभाग के सिरोही प्रांत में केसुआ स्थित हरियावा कृषि फार्म पर श्री क्षत्रिय युवक संघ का माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर 5 से 11 नवंबर तक आयोजित हुआ। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने प्रथम दिन शिविरार्थियों के भाल पर तिलक लगाकर उनका स्वागत करते हुए कहा कि आपके भाल पर यह तिलक क्यों लगाया गया है, इस पर चिंतन करें। आप पर पूज्य तनसिंह जी के इस कौम के प्रति देखे गए स्वप्न को साकार करने के लिए श्री क्षत्रिय युवक संघ ने विश्वास किया है। यह तिलक उसी आशा और विश्वास का चिह्न है। इन सात दिनों में खेल, बौद्धिक, चर्चा, घट चर्चा, सहगान आदि के माध्यम से क्षत्रियत्व के गुणों को आचरण में ढालने का आप अभ्यास करेंगे। यह अभ्यास जितने जागृत और सचेत रहकर आप करेंगे उतना ही अधिक फलदायी होगा। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

झांझमेर, बालोतरा और देवीकोट में मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर संपन्न

श्री क्षत्रिय युवक संघ के निरंतर आयोजित हो रहे प्रशिक्षण शिविरों के क्रम में तीन मातृशक्ति प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर झांझमेर, बालोतरा एवं देवीकोट में आयोजित हुए जिनमें 400 से अधिक युवतियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। 4 से 6 नवंबर तक गोहिलवाड़ सम्भाग के मोरचंद प्रांत के झांझमेर स्थित श्री नागणेची माताजी मंदिर संस्थान में शिविर आयोजित हुआ। शिविर के प्रथम दिन मातृशक्ति का स्वागत करते हुए शिविर संचालक कल्पनाबा बावडी ने कहा कि हम सभी भाग्यशाली हैं कि हमें श्री क्षत्रिय युवक संघ के इस शिविर में आने का अवसर मिला है। यहां आने पर संघ आप सभी का तिलक लगाकर स्वागत करता है क्योंकि आप क्षत्रिय समाज की आशा की किरण हैं। आज की बेटी कल की माँ है और माँ को निर्माता कहा जाता है क्योंकि वह बच्चे के व्यक्तित्व को आकार देती है और पूरे परिवार को एक साथ रखती है। शिविर के अंतिम दिन विदाई संदेश में उन्होंने कहा कि अपनी इच्छाओं पर अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता देकर ही हम समाज के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं और समाज की युवा पीढ़ी को नई राह दिखाकर उस पर चलने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। उन्होंने बालिकाओं को धंधुका राजपूत छात्रावास में होने वाले माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर (बालिका) की जानकारी भी दी। शिविर में मधुवन, झांझमेर, खंढेरा, ऊंचड़ी, रोजीया, वाटलिया, पसवी, मोटी जागधार, नवी कामरोल, नवा सांगाणा, जुना सांगाणा, मोरचंद, कनाड़, अवानिया, धोलेरा, सोंदरडा, नारी, नेशिया, मगलाना आदि गांवों की 107 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। श्री

वाजा राठौड़ क्षत्रिय समाज द्वारा स्थापित श्री नागणेची माताजी मंदिर संस्थान झांझमेर एवं झांझमेर, मधुवन, खंढेरा, वेलावदर, आमला आदि गांवों के समाजबंधुओं द्वारा व्यवस्था में सहयोग किया गया। बनुभा मधुवन, कृष्णसिंह थलसर एवं वनराजसिंह चूड़ी ने भी व्यवस्था में सहयोग किया। बालोतरा प्रांत का चार दिवसीय मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर बालोतरा स्थित श्री वीर दुगार्दास राजपूत छात्रावास में 7 से 10 नवंबर तक आयोजित किया गया। शिविर संचालिका चंद्रिका कंवर काठाड़ी ने शिविर के अंतिम दिन बालिकाओं को विदाई देते हुए कहा कि आज के नकारात्मक वातावरण में इस प्रकार का सद्शिक्षण भाग्यशालियों को ही प्राप्त होता है अतः इस अवसर का पूर्ण सदुपयोग करें। जो भी आपने यहां सीखा है उन संस्कारों को आचरण का अंग बनाकर खुद को श्रेष्ठ बनाने का प्रयास करें। इस हेतु उन्होंने बालिकाओं को अपनी दैनिकचर्या में अष्टसूत्रों के पालन करने की बात कही। शिविर में जालोर, सांचौर, चौहटन, सेतरावा, पाली, सोजत, सिवाना, बालोतरा, जागसा, वरिया, थोब, रेवाड़ा,

कालेवा आदि क्षेत्रों की 171 बालिकाओं ने प्रशिक्षण लिया। संभाग प्रमुख मूलसिंह काठाड़ी के निर्देशन में प्रांत प्रमुख चंदन सिंह थोब ने व्यवस्था का दायित्व संभाला। जैसलमेर संभाग में देवीकोट गांव में स्थित श्री रूपादे उच्च माध्यमिक विद्यालय में भी इसी अवधि में चार दिवसीय मातृशक्ति प्रशिक्षण आयोजित हुआ। शिविर का संचालन करते हुए कैलाश कंवर मुंगेरिया ने कहा कि जिस कुल की गौरवगाथाओं से इतिहास भरा हुआ है, उस क्षत्रिय कुल में हमें जन्म मिला है, यह अत्यंत सौभाग्य की बात है। त्याग की परंपरा हमारी कौम की विशेषता रही है। आज के स्वार्थ प्रधान युग में लुप्त होती जा रही इस परंपरा के रक्षण एवं पोषण के लिए ही पूज्य श्री तनसिंह जी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना की। इस शिविर में आने के बाद यह हमारा दायित्व है कि हम पूज्य तनसिंह जी के संदेश को सभी तक पहुंचावें। इस शिविर में रामगढ़, बडोडा गांव, चांधन, सोढाकोर, मूलाना, छोड़, सांवता, रामदेवरा, पोकरण, दातल, बैरसियाला, बरणा आदि गांवों की 150 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

देवा (गुजरात) में स्नेहमिलन समारोह संपन्न

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त गुजरात के खेड़ा जिले के देवा गांव में स्थित संत श्री भाभाराम महाराज मंदिर में 29 अक्टूबर को स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। बलदेव सिंह भैंसाणा (डीसीपी, अहमदाबाद) ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा किए जा रहे संस्कार निर्माण के कार्य की समाज में महत्ती आवश्यकता है। हम सभी को मिलकर पूज्य तनसिंह जी के संदेश को प्रसारित करने में सहयोगी बनना चाहिए। वरिष्ठ स्वयंसेवक सहदेव सिंह मुली ने कहा कि आज के विपरीत

वातावरण में राजपूत संस्कृति के रक्षण के लिए क्षत्रिय संस्कारों का निर्माण ही एकमात्र मार्ग है और इसमें सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका मातृशक्ति की है। शकुभा देवा ने सभी का स्वागत करते हुए गांव के इतिहास की जानकारी दी। दिग्विजय सिंह पलवाड़ा ने पूज्य श्री तनसिंह जी एवं श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय दिया। अरविंद सिंह काणेटी ने कार्यक्रम का संचालन किया। मध्य गुजरात संभागप्रमुख अणदुभा काणेटी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जन्म शताब्दी समारोह के पोस्टर के गुजराती संस्करण का विमोचन भी किया गया। श्री राजपूत समाज देवा ने व्यवस्था का दायित्व संभाला।

संघशक्ति में पारिवारिक स्नेहमिलन का आयोजन

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त जयपुर स्थित श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति में 29 अक्टूबर को पारिवारिक स्नेहमिलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ की कार्य प्रणाली गीता पर आधारित है जिसमें अभ्यास का तत्व महत्त्वपूर्ण है। संघ की शाखाओं और शिविरों के माध्यम से अभ्यास की यह प्रक्रिया निरंतर चल रही है। निरंतर और नियमित अभ्यास से ही संस्कार विकसित होते हैं और हमारे आचरण का अंग बनते हैं। उन्होंने सभी को दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 28 जनवरी 2024 को आयोजित होने वाले पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण देते हुए कहा कि क्षत्रियोचित संस्कारों के निर्माण की ऐसी अनूठी प्रणाली हमारे समाज को प्रदान करने वाले महापुरुष पूज्य तनसिंह जी के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करने और श्री क्षत्रिय युवक संघ की बात को सभी तक पहुंचाने का यह अवसर है जिसमें हम सभी को सहभागी बनना है, साथ ही अन्य समाजबंधुओं को भी कार्यक्रम में सम्मिलित होने का निवेदन करना है। कार्यक्रम में जयपुर शहर में रहने वाले दूजोद गांव के समाजबंधु सपरिवार सम्मिलित हुए। सभी ने आपस में परिचय प्राप्त किया व आपसी संपर्क व समन्वय विकसित करने पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में उम्मेद सिंह लिचाणा, शेर सिंह दुजोद, विजेन्द्र सिंह दुजोद, दशरथ सिंह (इंजिनियर), सुरेन्द्र सिंह रामपुरा (पुलिस उपाधीक्षक), राजपाल सिंह, गजेन्द्र सिंह, पुरण सिंह, दुर्गा सिंह, गजेन्द्र सिंह, जोरावर सिंह,जगदीश सिंह, हनुमंत सिंह, नमन सिंह सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात सभी ने स्नेहभोज किया। कार्यक्रम का संचालन द. प. जयपुर ग्रामीण प्रान्त प्रमुख देवेन्द्र सिंह बरवाली ने किया एवं जगदीश सिंह दुजोद ने व्यवस्था का दायित्व संभाला।

जयपुर संभाग की कार्ययोजना बैठक

दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 28 जनवरी 2024 को आयोजित होने वाले पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह के प्रचार-प्रसार के लिए 'शताब्दी वर्ष कार्यक्रम चेतना वाहन रैली' का आयोजन 7 से 22 दिसंबर तक किया जाएगा। यह यात्रा 7 दिसंबर (पूज्य श्री तनसिंह जी की पुण्यतिथि) को जयपुर से रवाना होकर 22 दिसंबर (संघ स्थापना दिवस) को दिल्ली के जवाहर

लाल नेहरू स्टेडियम में पहुंचेगी। जयपुर के संघशक्ति भवन में 28 अक्टूबर को आयोजित जयपुर की संभागीय कार्ययोजना बैठक में यात्रा के आयोजन का निर्णय लिया गया। बैठक में समारोह की तैयारियों की योजना बनाकर तदनुरूप दायित्व सौंपे गए। केंद्रीय कार्यकारी गजेंद्र सिंह आऊ व संभाग प्रमुख राजेंद्र सिंह बोबासर सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

दिल्ली एनसीआर क्षेत्र की सामाजिक संस्थाओं ने हर्षोल्लास से मनाई विजयादशमी

विजयादशमी के उपलक्ष्य में दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा 22 से 29 अक्टूबर की अवधि में विभिन्न स्थानों पर अनेक कार्यक्रम आयोजित हुए। राजपूताना समाज दिल्ली का वार्षिकोत्सव एवं 26वां स्थापना दिवस नई दिल्ली स्थित तमिल संगम समागम में 29 अक्टूबर को राजस्थान एवं दिल्ली एनसीआर में रहने वाले प्रवासी समाजबंधुओं के पारिवारिक स्नेहमिलन के रूप में मनाया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा कार्यक्रम में उपस्थित रहे तथा सभी को पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण दिया और कहा कि हमारा पूरा समाज एक परिवार है और हम इस परिवार के सदस्य हैं। इस समाज रूपी परिवार से हमें गौरव और सम्मान प्राप्त होता है तो साथ ही ऐसे गौरवपूर्ण समाज का अंग होने से एक दायित्व भी हम पर आता है कि हम इस समाज की गरिमा और महानता के अनुरूप आचरण भी करें। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें इसी दायित्व का पाठ पढ़ाता है। वरिष्ठ स्वयंसेवक सुल्तान सिंह खानडी, महेंद्र सिंह सेखाला एवं सम्राट अशोक शाखा के सभी स्वयंसेवक भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजपूताना समाज के अध्यक्ष सवाई सिंह निर्वाण, भूतपूर्व अध्यक्ष भरत सिंह बांजाकुड़ी, कुलदीप सिंह राठौड़, रिछपाल सिंह भवाद, भीमसिंह, राजपाल सिंह राठौड़ एवं ओनार सिंह शेखावत सहित अनेकों गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे। इसी दिन अखिल भारतीय क्षत्रिय महासंघ का 9वां शस्त्र एवं शास्त्र पूजन कार्यक्रम द्वारका मोड़ दिल्ली में आयोजित हुआ। यहां भी उपस्थित समाज जनों को जन्म शताब्दी वर्ष समारोह का निमंत्रण देते हुए संघ के केन्द्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने कहा कि विचार आज के समय का सबसे बड़ा साधन है। पूज्य तनसिंह जी ने हमें क्षात्र धर्म को आचरण में लाने का विचार और उसके क्रियान्वयन की प्रणाली प्रदान की। ऐसे महापुरुष की 100वीं जयंती आगामी 28 जनवरी को आपके शहर दिल्ली में मनाई जा रही है, आप सब आयोजक की भांति अपना दायित्व समझते हुए इसके लिए सबको आमंत्रित कर सहयोग करें। 22 अक्टूबर को फरीदाबाद स्थित महाराणा प्रताप भवन एवं बल्लभगढ़ महाराणा प्रताप भवन में युवा राजपूताना संगठन द्वारा विजयादशमी के उपलक्ष्य

द्वारका मोड दिल्ली

में केसरिया ध्वज शोभा यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें फरीदाबाद के आसपास के राजपूत बहुल क्षेत्र के युवाओं ने दोपहिया वाहन रैली द्वारा सबको संगठित रहने का संदेश दिया। विभिन्न स्थानों से होते हुए यह शोभा यात्रा बल्लभगढ़ महाराणा प्रताप भवन भवन पहुंची जहां हवन के साथ शास्त्र और शस्त्र का पूजन किया गया। संगठन के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह गौड़ एवं अनिल सिंह गौड़ सहित फरीदाबाद क्षेत्र के अनेकों समाजबंधु सम्मिलित हुए। संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक नारायण सिंह पांडुराई सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे एवं जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण दिया। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा-महाराणा प्रताप स्मृति निर्माण समिति गाजियाबाद द्वारा 24 अक्टूबर को नेहरू नगर में स्थित महाराणा प्रताप भवन में शास्त्र एवं शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया जिसमें समिति के अध्यक्ष, महासचिव, उपाध्यक्ष आदि पदाधिकारी एवं समिति के कार्यकर्ता व नोएडा-गाजियाबाद के राजपूत परिवारों ने भाग लिया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के दिल्ली एनसीआर प्रांत प्रमुख रेवत सिंह धीरा द्वारा आगामी जनवरी माह में आयोजित होने वाले जन्म शताब्दी समारोह की सूचना दी गई एवं पंपलेट व सूचना पत्र स्थानीय लोगों में वितरित किए गए। वरुण कुमार सिंह पुंडीर द्वारा सबका स्वागत किया गया। स्नेहभोज के साथ

फरीदाबाद

गाजियाबाद

कार्यक्रम का समापन हुआ। अखिल भारतीय राजपूत विकास समिति (पंजीकृत) द्वारा पंद्रहवां राजपूत राष्ट्रीय मेधावी छात्र-छात्रा मेरिट पुरस्कार समारोह 29 अक्टूबर को महाराणा प्रताप भवन, केशवपुरम दिल्ली में मनाया गया। कार्यक्रम में संघ की ओर से श्री नारायण शाखा के स्वयंसेवक राजू सिंह कारोला एवं छैल सिंह कोटडी ने उपस्थित रहकर शताब्दी समारोह की सूचना देते हुए सभी को 28 जनवरी को कार्यक्रम में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया। मध्यप्रदेश से आए भंवर सिंह राठौड़ ने भी सभी से जन्म शताब्दी समारोह में शामिल होने का आग्रह किया। 29 अक्टूबर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संभल क्षेत्र के मुरादाबाद जिले में महाराजा मुकुट सिंह संस्थान की वार्षिक बैठक का आयोजन हुआ। बैठक के दौरान पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह की तैयारियों पर चर्चा हेतु स्नेहमिलन भी रखा गया। संस्थान के डॉ. परमेंद्र सिंह चौहान, श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक अर्जुन सिंह सिसरवादा एवं स्थानीय समाजबंधु बैठक में उपस्थित रहे। 29 अक्टूबर को मध्य क्षेत्र राजपूत सभा गाजियाबाद द्वारा स्थापना दिवस एवं पारिवारिक मिलन समारोह रखा गया जिसमें श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक वीर बहादुर सिंह असाडा एवं राजन सिंह ने जन्म शताब्दी समारोह के लिए सबको निमंत्रित किया। 22 अक्टूबर को क्षत्रिय समाज सेवा समिति (पंजीकृत) द्वारा गाजियाबाद में नंदग्राम स्थित शिखर पब्लिक स्कूल में विजयादशमी के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें संस्था के अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह चौहान अन्य पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं सहित उपस्थित रहे। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट (पंजी.) द्वारा भी दिल्ली के शाहदरा में मानसरोवर पार्क स्थित सामुदायिक भवन में विजयादशमी मनाई गई।

विद्युत विभाग कर्मचारीगण का दीपावली स्नेह मिलन संपन्न

जयपुर के झोटवाड़ा में खातीपुरा स्थित फतेह निवास में 5 नवंबर को राजपूताना विद्युत क्लब के तत्वावधान में विद्युत विभाग के राजपूत कर्मचारियों का स्नेहमिलन कार्यक्रम श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी के सान्निध्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री सरवड़ी ने कहा कि आज हमारे समाज की अनेक समस्याएं हैं। हमारा कम होता हुआ राजनीतिक प्रतिनिधित्व हो, प्रशासनिक सेवाओं में हमारे लोगों की कम संख्या हो या आर्थिक रूप से पिछड़ना हो, इन सभी समस्याओं का मूल कारण सामाजिक एकता का अभाव ही है। इसलिए यदि हमारे भीतर यह भाव विकसित हो जाए कि हम सब एक ही परिवार के सदस्य हैं तो सभी समस्याएं हल हो जाएंगी। हम में से प्रत्येक का यह भाव होना चाहिए कि राजपूत समाज मेरी मां है और इसकी सेवा करना मेरा कर्तव्य है। सामाजिक हित के सामने व्यक्तिगत स्वार्थ को हम त्याग दें, यही सच्चा सामाजिक भाव है। उन्होंने सभी को पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष का निमंत्रण भी दिया और कहा कि हम

सब मिलकर रहेंगे तो अन्य जातियों के लोग भी हमारे सहयोगी बनेंगे और यदि हम आपस में टांग खिंचाई करते रहेंगे तो कोई भी हमारे साथ नहीं आएगा। इसलिए समाज रूपी परिवार में हम सभी एक दूसरे का सहयोग करें और जितनी भी हमारे पास क्षमता हो, उतना समाज की एकता में योगदान दें। एन एस नाथावत (मुख्य कार्मिक अधिकारी) ने विद्युत विभाग में कार्मिक व्यवस्था संबंधी नियमों के सरलीकरण की जानकारी दी एवं राजकीय दायित्व का पालन करते हुए उन नियमों के माध्यम से अपने अधिकारों का प्रयोग करने की बात कही। वाई एस राठौड़ (मुख्य नियंत्रक, लेखा) ने प्रशासनिक सेवाओं में समाज के घटते हुए प्रतिनिधित्व पर चिंतन करने की बात कही एवं विद्युत विभाग की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समाजबंधुओ तक पहुंचाने का सभी से निवेदन किया। राज सिंह भाटी (मुख्य अभियंता, राजस्थान उत्पादन निगम) ने विद्युत एवं सौर ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर हो रहे विकास को दृष्टिगत रखते हुए युवाओं से नवीन तकनीक में दक्ष होकर भविष्य की चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार करने की बात कही। जी एस शेखावत, प्रेम सिंह चौहान, मोहन सिंह जादौन, गजेंद्र सिंह भाटी, धर्मवीर सिंह राठौड़, सतीश सिंह राठौड़, शक्ति सिंह शेखावत एवं गर्विता चौहान ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में जयपुर के अतिरिक्त जोधपुर, हनुमानगढ़, गंगानगर, चूरू, अजमेर, झालावाड़, कोटा, सवाई माधोपुर, दौसा, अलवर, भरतपुर, कोटपूतली, सीकर, झुंझुनू आदि स्थानों पर कार्यरत विद्युत विभाग के राजपूत कर्मचारी सम्मिलित हुए। नरेंद्र सिंह निमेड़ा ने कार्यक्रम का संचालन किया। आयोजक समिति की ओर से शंकर सिंह राठौड़ व किशोर सिंह राठौड़ ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के पश्चात स्नेहभोज भी रखा गया।

सूर्यवीर सिंह सिंगला ने निशानेबाजी में जीता कांस्य पदक

दूदू जिले के सिंगला गांव के निवासी सूर्यवीर सिंह ने लखनऊ में हाल ही में आयोजित 52वें केवीएस राष्ट्रीय खेलों में निशानेबाजी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता है। उन्होंने यह पदक .177 पीप साइट एयर राइफल (अंडर -19) इवेंट में जीता है।

संपादकीय

व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षाएं और व्यापक सामाजिक हित

व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षा और व्यापक सामाजिक हित में सदैव संघर्ष चलता आया है। व्यक्ति की महत्त्वाकांक्षा चाहे धन की हो, सत्ता की हो, प्रसिद्धि की हो या अन्य किसी प्रकार की हो, एक सीमा से आगे बढ़ने पर वह सामाजिक हित से टकराती ही है। समाज क्योंकि व्यक्तियों का सामूहिक स्वरूप है इसलिए व्यक्ति विशेष की अनियंत्रित महत्त्वाकांक्षा की अन्य व्यक्तियों की महत्त्वाकांक्षाओं से अथवा समाज की सामूहिक महत्त्वाकांक्षाओं से टकराहट अनिवार्य है। इस टकराहट के समय ही व्यक्ति की समाज के प्रति निष्ठा, समर्पण और त्याग की क्षमता की परीक्षा होती है। जिस व्यक्ति के भीतर समाज चरित्र होता है, जिसके लिए समाज प्राथमिक होता है, वह व्यापक सामाजिक हित के लिए अपनी व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षा पर अंकुश लगाना स्वीकार करता है और उसे सामाजिक महत्त्वाकांक्षा में निमज्जित कर देता है। यह बहुत कठिन है, लेकिन त्याग के इस कठिन विकल्प को अपनाए बिना सामाजिक चरित्र का निर्माण नहीं हो सकता और इस समाज चरित्र के अभाव में कोई व्यक्ति समाज हितैषी होने के कितने ही दावे करे, उसके ये दावे केवल बड़बोलापन ही है। हम अपनी व्यक्तिगत निष्ठाओं और भावनाओं को परे रखकर यदि सामाजिक इतिहास का तथ्यपरक और निष्पक्ष आकलन करें तो पाएंगे कि ऐसे व्यक्ति अपने अहंकार और पद, सत्ता अथवा लोकैषणा की महत्त्वाकांक्षा के वशीभूत हो समाज का अहित ही अधिक करते आए हैं और स्वयं भी अंततः सामाजिक दृष्टिकोण से अप्रासंगिक होकर स्वार्थ और अहंकार के तुच्छ खेल तक सीमित होकर रह जाते हैं। ऐसे अनेक उदाहरण हमारे आस-पास हमें दिखाई पड़ जाएंगे।

लेकिन समाज चरित्र की पुकार स्वार्थ और अहंकार के इस तुच्छ खेल से बहुत आगे की है। यह पुकार तो अपनी समस्त महत्त्वाकांक्षाओं को सामाजिक महत्त्वाकांक्षा के सापेक्ष बनाने और अपनी समस्त प्रतिभा व क्षमता को समाज के व्यापक हित में नियोजित करने की है। अपनी लोकैषणा या प्रसिद्धि की चाह को त्यागकर समाज की आवश्यकता को पूरा करने के लिए सर्वस्व अर्पण करना केवल समाज चरित्र को धारण करने वाले व्यक्तियों से ही संभव है, सामान्य स्तर के व्यक्ति तो लोकैषणा के प्रबल प्रवाह में बहते हुए वास्तविक समाज हित की पहचान ही नहीं कर पाते, उसके लिए त्याग करने की क्षमता तो दूर की बात है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि व्यक्तिनिष्ठा के वर्तमान दौर में बड़े-बड़े विशेषणों और शब्दों का बहुत सस्ते में प्रयोग किया जाने लगा है। जिस भी व्यक्ति से हमारा कोई स्वार्थ जुड़ा है अथवा किसी के व्यक्तित्व का कोई अंश हमें अच्छा लगता है, उस व्यक्ति की यत्किंचित उपलब्धियों के आधार पर ही हम उसे समाज की एकमात्र आशा, आधुनिक दुर्गादास आदि अनेकों विशेषणों से विभूषित कर प्रचारित करने लग जाते हैं पर ऐसा करते हुए हम यह भूल जाते हैं कि समाज इतना विराट है कि उसके जीवन को व्यापक रूप से प्रभावित करने की क्षमता रखने वाले व्यक्तित्व विरले ही होते हैं और उनके इस विरलेपन के पीछे होता है उनका समाज चरित्र जो उनकी समस्त प्रतिभा और क्षमताओं को समाज सापेक्ष बना देता है। ऐसे व्यक्तियों के निर्णय न तो अपनी व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षाओं के अधीन होते हैं और न जनमत के ही अधीन होते हैं। उनके निर्णय अपने विवेक और आत्मचिंतन पर आधारित होते हैं और उन निर्णयों को भी वे अपनी तपस्या से ही खरा सिद्ध करते हैं। लेकिन वर्तमान में तो सत्ता के लिए जोड़-तोड़ करने को भी त्याग यज्ञ कहकर प्रचारित किया जाता है और हम भी अपने शब्दों और भावों को सस्ता बनाकर अक्सर इस प्रचार में शामिल हो जाते हैं।

वास्तविक समाज चरित्र क्या होता है, इसे यदि समझना है तो दुर्गादास जी और तनसिंह जी जैसे व्यक्तियों के जीवन से ही समझा जा सकता है। दुर्गादास जी ने समस्त जीवन लगाकर जिस राज्य की रक्षा की, उसी राज्य की सत्ता से मिले निर्वासन को भी उन्होंने इसलिए स्वीकार कर लिया कि राज्य को गृह युद्ध जैसी स्थिति से न गुजरना पड़े। वे चाहते तो अपनी वीरता, शौर्य और चतुराई जैसे गुणों को राज्य सत्ता की प्राप्ति के लिए भी लगा सकते थे और इतिहास में अपने को स्थापित करने में भी लगा सकते थे किंतु उन्होंने अभावों में रहना स्वीकार किया, इतिहास में गुमनाम हो जाना स्वीकार किया लेकिन सामाजिक हित पर व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को वरीयता देना स्वीकार नहीं किया। यही समाज चरित्र है। ऐसा ही जीवन पूज्य तनसिंह जी ने जीया और इसीलिए अद्वितीय प्रतिभा के धनी होते हुए भी संसार उनके बारे में बहुत कम जानता है क्योंकि उन्होंने अपने लिए प्रसिद्धि नहीं चुनकर समाज की नींव में पत्थर बनने का मार्ग चुना। एक बार एक विश्वविद्यालय में उच्च पद पर सेवारत एक भाषाविद् ने पूज्य तनसिंह जी की पुस्तकें पढ़ीं और पढ़कर संघ के एक वरिष्ठ स्वयंसेवक से चर्चा में उन्होंने कहा कि यह साहित्य इतना श्रेष्ठ और अनूठा है कि यदि इसमें से जाति और कौम आदि शब्द हटा दिए जाए तो यह विद्यालयी और विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रमों में शामिल करने योग्य साहित्य है। लेकिन उन्हें यही उत्तर दिया गया कि पूज्य तनसिंह जी ने इस साहित्य की रचना पाठ्यक्रमों में शामिल होने के उद्देश्य से नहीं बल्कि समाज और जाति में नवजीवन फूंकने के लिए की है और इसलिए उसी उद्देश्य के लिए उस साहित्य का प्रयोग हो रहा है। एक लेखक के रूप में, एक राजनीतिज्ञ के रूप में, एक व्यापारी के रूप में, युवावस्था में एक खिलाड़ी के रूप में और ऐसे ही अनेक रूपों में पूज्य तनसिंह जी अद्भुत प्रतिभा के धनी थे और चाहते तो इनमें से किसी भी एक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा लगाकर संसार भर में प्रसिद्ध व्यक्ति बन सकते थे लेकिन उन्होंने अपनी समस्त प्रतिभा को सामाजिक न्यास बनाकर श्री क्षत्रिय युवक संघ के रूप में समाज को अर्पित कर दिया। यही समाज चरित्र है।

श्री क्षत्रिय युवक संघ भी पूज्य श्री तनसिंह जी द्वारा स्थापित समाज चरित्र के इसी आदर्श का पालन करते हुए समाज में कार्य करता है और इसीलिए लोकैषणा को महत्त्व नहीं देता। यही कारण है कि श्री क्षत्रिय युवक संघ को राजपूत समाज का सबसे बड़ा संगठन होते हुए भी सभी इसके बारे में नहीं जानते क्योंकि संसार के सामने अपने को परिचित करवाना संघ का उद्देश्य नहीं है बल्कि धरातल पर कार्य करते हुए सामाजिक जीवन को पूज्य तनसिंह जी की कल्पना के अनुसार मोड़ देना ही संघ का उद्देश्य है। वहीं, जिन संस्थाओं या व्यक्तियों का अपने आप को संसार के सामने परिचित करवाना ही उद्देश्य रहता है वे कुछ ही समय में प्रचार के साधनों का उचित-अनुचित उपयोग करके, विवादित और अनावश्यक बयानबाजी करके एवं सामान्य जन की नकारात्मक भावनाओं को भड़काकर अपने आप को सभी जगह प्रचारित कर देते हैं और संसार में प्रसिद्धि पा लेते हैं किंतु यह लोकैषणा समाज हित में किसी भी प्रकार से उपयोगी नहीं होती बल्कि व्यक्तिगत स्वार्थ को बल देकर समाज हित में बाधा ही बनती है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम समाज चरित्र और व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षा के भेद को समझना प्रारंभ करें, अन्यथा हमारी समाज के प्रति भावनाएं समाज के वास्तविक हित में प्रयुक्त होने के बजाए सत्ता और प्रसिद्धि के इच्छुक व्यक्तियों की महत्त्वाकांक्षाओं को पूरा करने का साधन मात्र ही बनती रहेंगी। निस्संदेह यह प्रचार का युग है, और हम भी इससे अछूते नहीं रह सकते लेकिन क्या प्रचारित करने के लिए हमारे पास कोई सार्थक तत्व है अथवा नहीं यह विचारणीय है अन्यथा हम नकारात्मकता के प्रचार में ही भागीदार बनते रहेंगे। श्री क्षत्रिय युवक संघ उसी सार्थक तत्व के निर्माण में संलग्न है जिसे प्रचारित करने से समाज का हित हो। आएं, हम भी इसमें सहभागी बनें।

ग्राम चोला, बुलंदशहर में क्षत्रिय समागम संपन्न

क्षत्रिय सम्राट मिहिरभोज, भीमदेव सोलंकी, सुहेलदेव बैंस व कासल जी भाटी की स्मृति में बुलंदशहर के निकट चोला गांव में क्षत्रिय समागम का आयोजन किया गया जिसमें आस पास के गांवों के समाज बंधु शामिल हुए। वक्ताओं ने इन महापुरुषों को नमन करते हुए विभिन्न ज्वलंत विषयों पर अपनी बात रखी। राज्य सरकार से विभिन्न मांगों के बारे में भी जिक्र किया गया। पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह के लिए निमंत्रण देते हुए संघ के केन्द्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने कहा कि हम इस बात को लेकर चिंतित हैं कि एकता नहीं है लेकिन इस बात को लेकर चिंतन नहीं करते कि एकता क्यों नहीं है। यदि चिंतन भी करते हैं तो केवल चिंतन तक सीमित रहते हैं उस चिंतन को धरातल पर उतारने को कदम नहीं उठा पाते। पूज्य तनसिंह जी ने ऐसा ही चिंतन किया और फिर उस चिंतन को धरातल पर उतारने का मार्ग प्रशस्त किया जिसका नाम श्री क्षत्रिय युवक संघ है। संघ एकता में बाधक तत्वों के विपरीत साधक तत्वों का अभ्यास करवा कर हमें शाश्वत एकता की ओर बढ़ा रहा है। ऐसा अद्भुत मार्ग बताने वाले पूज्य तनसिंह जी की सौवीं जयंती आगामी 28 जनवरी को नई दिल्ली स्थित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित की रही है जिसमें आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

अंबाजी में छठा समाज रत्न सम्मान समारोह संपन्न

गुजरात के प्रसिद्ध शक्तिधाम अंबाजी स्थित श्री हंसाबा राजपूत समाज भवन में श्री राजपूत मिलकत ट्रस्ट - अंबाजी द्वारा 5 नवंबर को छठा समाज रत्न सम्मान समारोह आयोजित हुआ। प्रतिवर्ष होने वाले इस आयोजन में समाज के विभिन्न सामाजिक संगठनों में सेवा देने वाले सहयोगियों को समाज रत्न पारितोषिक से सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष अहमदाबाद जिले की साणंद तहसील के गोधावी गांव के निवासी नटुभा मोहनसिंह वाघेला को समाज रत्न के रूप में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आनंदनाथ जी महाराज, शंकरसिंह वाघेला (पूर्व मुख्यमंत्री गुजरात), अग्रणी उधोगपति घेलूभा वाघेला और संस्था के अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह सहित अनेकों सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राजस्थान विधानसभा चुनावों में कांग्रेस व भाजपा के राजपूत उम्मीदवार

राजस्थान विधानसभा चुनावों के लिए राज्य में दोनों प्रमुख दलों ने निम्न राजपूत प्रत्याशी घोषित किए हैं। भाजपा ने 26 व कांग्रेस ने 14 राजपूतों को उम्मीदवार बनाया है। इनमें से कोलायत, शेरगढ़, बाड़ी, सिवाना व कुंभलगढ़ में दोनों ही पार्टियों से राजपूत उम्मीदवार हैं। उम्मीद्वारों की सूची निम्नानुसार है।

	भारतीय जनता पार्टी	
1.	कोलायत	अंशुमान सिंह भाटी
2.	बीकानेर पूर्व	सिद्धी कुमारी
3.	तारानगर	राजेंद्र सिंह राठौड़
4.	नीम का थाना	प्रेम सिंह बाजोर
5.	नवलगढ़	विक्रम सिंह जाखल
6.	झोटवाड़ा	राज्यवर्धन सिंह राठौड़
7.	विद्याधर नगर	दीया कुमारी
8.	डीडवाना	जितेन्द्र सिंह जोधा
9.	लाडनूं	करनी सिंह राठौड़
10.	परबतसर	मानसिंह किनसरिया
11.	चित्तौड़गढ़	नरपत सिंह राजवी
12.	कुंभलगढ़	सुरेंद्र सिंह राठौड़
13.	नाथद्वारा	विश्वराज सिंह मेवाड़
14.	जैसलमेर	छोटू सिंह भाटी
15.	सिवाना	हमीर सिंह भायल
16.	शिव	स्वरूप सिंह खारा
17.	पोकरण	महंत प्रताप पुरी
18.	लोहावट	गजेंद्र सिंह खींवसर
19.	सरदारपुरा	महेन्द्र सिंह राठौड़
20.	शेरगढ़	बाबूसिंह राठौड़
21.	बाली	पुष्पेंद्र सिंह राणावत
22.	रानीवाड़ा	नारायण सिंह देवल
23.	लाडपुरा	कल्पना देवी
24.	बानसूर	देवी सिंह शेखावत
25.	बाड़ी	गिरिराज सिंह मलिंगा
26.	मसूदा	वीरेन्द्र सिंह कानावत
	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	
1.	कोलायत	भंवर सिंह भाटी
2.	श्रीमाधोपुर	दीपेंद्र सिंह शेखावत
3.	सिविल लाइंस	प्रताप सिंह खाचरियावास
4.	सांगोद	भानु प्रताप सिंह
5.	शेरगढ़	मीना कंवर
6.	वल्लभनगर	प्रिती गजेंद्र शक्तावत
7.	भीनमाल	समरजीत सिंह
8.	छबड़ा	करण सिंह राठौड़
9.	राजसमंद	नारायण सिंह भाटी
10.	सिवाना	मानवेन्द्र सिंह जसोल
11.	मा. जंक्शन	खुशवीर सिंह जोजावर
12.	अजमेर उत्तर	महेंद्र सिंह रलावता
13.	बाड़ी	प्रशांत सिंह परमार
14.	कुंभलगढ़	योगेन्द्र सिंह परमार

इसके अतिरिक्त उदयपुरवाटी, राजगढ़, मावली, वल्लभनगर, चित्तौड़गढ़, ब्यावर, नसीराबाद आदि अनेक विधानसभा क्षेत्रों से छोटे दलों के या निर्दलीय प्रत्याशी भी चुनाव लड़ रहे हैं।

अजमेर में हुआ जन स्वाभिमान सम्मेलन का आयोजन

29 अक्टूबर को अजमेर स्थित कायड़ विश्राम स्थली में जन स्वाभिमान मंच अजमेर के तत्वावधान में जन स्वाभिमान सम्मेलन का आयोजन हुआ। मंच के संयोजक राजऋषि समता राम महाराज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सामाजिक समरसता और सामाजिक न्याय के पक्ष में कार्य करने के लिए इस मंच का गठन किया गया है। दलितों, वंचितों व पिछडो के लिए न्याय, सेवा व सुरक्षा सुनिश्चित करना ही इस मंच का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जाति कोई बुरी नहीं होती है, जातिवाद बुरा होता है और हम सब को मिलकर इस जातिवाद को मिटाना है। मेघराज सिंह रॉयल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया एवं अपने मताधिकार का प्रयोग समाज और राष्ट्र के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए करने की बात कही गई। कार्यक्रम में मूल ओबीसी के वंचित वर्ग को आरक्षण का वास्तविक लाभ नहीं मिलने पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्हें उनका अधिकार दिलाने हेतु प्रयास करने की बात भी कही गई। कार्यक्रम में संतगण, विभिन्न संगठनो के पदाधिकारी, पूरे राजस्थान से सर्व समाज के गणमान्य व्यक्ति और मातृशक्ति की उपस्थिति रही। देवेंद्र सिंह बाज्यास ने कार्यक्रम का संचालन किया।

पिथोरा जी स्मृति दिवस कार्यक्रम हेतु किया संपर्क

जैसलमेर संभाग के चांधन प्रांत के मूलाना गांव में श्री क्षत्रिय युवक संघ के तत्वावधान में 15 नवंबर को पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त आयोजित होने वाले पूज्य पीर श्री पिथोरा जी स्मृति दिवस कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु प्रांत प्रमुख उम्मेद सिंह बडोड़ा गांव द्वारा अलग अलग दल बनाकर मूलाना, नया अचला, बडोड़ा गांव, मेहराजोत, लाला, कराड़ा, देवीकोट आदि गांवों में जनसंपर्क किया गया। जन्म शताब्दी समारोह के निमित्त मातेश्वरी श्री देगराय मंदिर प्रांगण में सामूहिक हवन भी किया गया।

गिडानिया (झुंझुनू) में स्नेहमिलन कार्यक्रम संपन्न

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त झुंझुनू जिले के गिडानिया गांव में 11 नवंबर को स्नेहमिलन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा, नौकरी, व्यवसाय, राजनीति आदि में आगे आने के बाद भी एक अभाव समझदार आदमी को खटकता है, वह है इंसानियत। हमारे पूर्वज इस इंसानियत के पुरोधा थे, अन्य लोग उन्हें देखकर अपनी दिशा तय किया करते थे लेकिन आज हम उन अन्य लोगों को देखकर दिशा तय कर रहे हैं इसीलिए यह अभाव खटक रहा है। यह अभाव यदि हमारे में कोई पीड़ा या दर्द पैदा करता है तो उस पीड़ा या दर्द को दिशा देने के लिए श्री क्षत्रिय युवक संघ प्रस्तुत है। पूज्य तनसिंह जी द्वारा प्रदत्त संघदर्शन हमें इसका सरलतम मार्ग उपलब्ध कराता है। ऐसे मार्ग को प्रदान करने वाले महापुरुष पूज्य तनसिंह जी की सौवीं जयंती जन्म शताब्दी समारोह के रूप में दिल्ली में मनाई जा रही है, आप सब उसमें आमंत्रित हैं। प्रांत प्रमुख जुगराज सिंह जुलियासर ने संघ एवं तनसिंह जी का परिचय दिया। हनुमान सिंह डांगर व हेम सिंह बामनवास ने भी अपने विचार रखते हुए समाज में शिक्षा के प्रसार के साथ-साथ आचरण को श्रेष्ठ बनाने और सभी समाजों का सम्मान करने की बात कही। कार्यक्रम में निकटवर्ती गांवों के अनेकों समाजबंधु मातृशक्ति सहित उपस्थित रहे।

जन्म शताब्दी समारोह के लिए तैयारियां, संपर्क बैठकों व विशेष शाखाओं का आयोजन

चौथपुरा

मेडी खेड़ा

28 जनवरी 2024 को आयोजित होने जा रहे पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह की तैयारियों हेतु विभिन्न स्थानों पर बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में उदयपुर के झाड़ोल में 29 अक्टूबर को बैठक आयोजित की गई जिसमें समाजबंधुओं को दिल्ली में होने वाले जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण दिया गया। इसी दिन वालाई (डूंगरपुर) में भी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त बैठक आयोजित की गई जिसमें प्रांत प्रमुख टैंक बहादुर सिंह गेहूंवाड़ा ने उपस्थित रहकर जन्म शताब्दी समारोह में क्षेत्र से अधिकाधिक संख्या में भागीदारी हेतु मिलकर प्रयास करने पर चर्चा की। 5 नवंबर को उदयपुर के बँभोर क्षेत्र में संपर्क बैठक रखी गई। संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला ने सभी को जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण दिया। सभी समाजबंधुओं ने क्षेत्र से अधिकाधिक संख्या में सहभागिता निभाने की बात कही। मेवाड़ वागड़ संभाग में सलूंबर क्षेत्र में भी एक संपर्क बैठक 5 नवंबर को आयोजित की गई जिसमें वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। उन्होंने बैठक में उपस्थित सलूंबर, सराड़ा, बोरी, थड़ा, पायरा, अखेपुर, गुड, भीमपुर आदि गांवों के समाज बंधुओ से जन्म शताब्दी समारोह की तैयारी पर चर्चा की एवं अपने क्षेत्र में प्रचार-प्रसार की बात कही। जन्म शताब्दी समारोह की तैयारियों को लेकर जैसलमेर संभाग के स्वयंसेवकों की बैठक 5 नवंबर को जैसलमेर शहर में स्थित संभागीय कार्यालय तनाश्रम में आयोजित हुई जिसमें संभाग प्रमुख तारेंद्र सिंह झिनझिनयाली सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। उदयपुर शहर प्रांत की बैठक 8 नवंबर को उदयपुर में अलख धाम, अशोक नगर में आयोजित हुई जिसमें वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया, भंवर सिंह बेमला, बृजराज सिंह खारड़ा अन्य सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। राजपूत छात्रावास, चित्तौड़गढ़ के मेडीखेड़ा में स्थित श्री चारभुजा जी मंदिर में 29 अक्टूबर को पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त विशेष शाखा का आयोजन किया गया। इस दौरान सामूहिक यज्ञ किया गया एवं 28 जनवरी 2024 को दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में होने वाले मुख्य कार्यक्रम के लिए सभी को निमंत्रण दिया गया। वरिष्ठ स्वयंसेवक बालू सिंह जगपुरा सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। चित्तौड़गढ़ प्रांत में ही सेंथी स्थित श्री क्षत्रिय सेवा संस्थान भवन में भी 29 अक्टूबर को विशेष शाखा का आयोजन किया गया जिसमें केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। चित्तौड़गढ़ प्रांत के चौथपुरा में 5 नवंबर को विशेष साप्ताहिक शाखा का आयोजन किया गया। दिलीप सिंह रुद एवं सूर्यकरण सिंह आकोलागढ़ द्वारा श्री क्षत्रिय युवक संघ एवं पूज्य श्री तनसिंह जी का परिचय दिया गया। चतर सिंह, नरेन्द्र सिंह, शक्ति सिंह चोथपुरा ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान जन्म शताब्दी वर्ष के अधिकतम प्रचार, विशेष ट्रेन की टिकिट बुकिंग आदि पर चर्चा की गई एवं जन्म शताब्दी वर्ष ध्वज पताका व संघ साहित्य, संघ शक्ति, पथ प्रेरक आदि समाजबंधुओं को उपलब्ध करवाए गए।

सैंथी

सलूंबर

पडोली राठौड़ देवदा

जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त विशेष शाखाओं का आयोजन

बांसवाड़ा में भी 8 नवंबर को बैठक आयोजित की गयी जिसमें श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रांत प्रमुख टैंक बहादुर सिंह गेहूँवाड़ा व वागड़ क्षत्रिय महासभा बांसवाड़ा के पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णपाल सिंह टामटिया ने जन्म शताब्दी समारोह में पहुंचने हेतु अधिकाधिक समाजबंधुओ से संपर्क करने की बात कही। 10 नवंबर को उदयपुर के सेमारी में भी संपर्क बैठक आयोजित की गई। वागड़ क्षेत्र के देवदा चोखले के पडोली राठौड़ गांव में स्थित कल्ला जी मंदिर में 12 नवंबर को बैठक आयोजित की गई जिसमें लाखन सिंह लांबापारड़ा ने जन्म शताब्दी समारोह की

बंभोर

जानकारी प्रदान की। जितेंद्र सिंह देवदा ने चोखले के प्रत्येक गांव के प्रत्येक घर से एक सदस्य के कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आह्वान किया। वीर बहादुर सिंह देवदा ने डूंगरपुर से जाने वाली विशेष ट्रेन हेतु समाजबंधुओं को देवदा से डूंगरपुर रेलवे स्टेशन तक पहुंचाने का दायित्व लिया।

जन्म शताब्दी समारोह के निमित्त 101 गांवों की यात्रा संपन्न

श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक बलवंत सिंह पांची द्वारा 93 वर्ष की आयु होने पर पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह के निमित्त 93 गांवों में संपर्क यात्रा करने का संकल्प लिया गया था। इस संकल्प की पूणार्हुति 6 नवंबर को हुई जब उन्होंने सोनगढ़, अमरगढ़, आंबला, सणोसरा, सरवेडी, पीपड़ी, नोंघणावादर व बडेली गांवों में संपर्क करके पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण दिया। मंगल सिंह धोलेरा, भागीरथ सिंह कनाड़, चंद्र सिंह खंढेरा आदि सहयोगी यात्रा में साथ रहे। इन आठ गांवों की यात्रा के साथ उन्होंने कुल 101 गांवों में संपर्क पूरा किया।

(पृष्ठ एक का शेष)

सामाजिक...

मां दुर्गा राजपूत सभा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षा में आरबीएसई से 75% एवं सीबीएसई से 80% अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को एवं स्नातक व स्नातकोत्तर में 65% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व राजकीय सेवा में चयनित होने वाले समाज के युवाओं को भी सम्मानित किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गजेंद्र सिंह आऊ ने उपस्थित समाजबंधुओ को पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह के लिए निमंत्रित किया और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने के लिए अधिकतम संख्या में सहभागिता निभाने की बात कही। मां दुर्गा राजपूत सभा के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह कैलाई ने सभी का आभार व्यक्त किया। संस्थान के संरक्षक भवानी सिंह शेखावत, श्री क्षत्रिय युवक संघ के पूर्वी राजस्थान संभाग प्रमुख मदन सिंह बामणिया एवं जयपुर संभाग प्रमुख राजेंद्र सिंह बोबासर भी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

चेखला और काणेटी में शास्त्र व शस्त्र का पूजन कर मनाई विजयादशमी

दशहरे के अवसर पर मध्य गुजरात संभाग में अहमदाबाद जिले की साणंद तहसील के चेखला गांव में शास्त्र, शस्त्र और शमी पूजन का आयोजन किया गया। लिंबोदरा के ठाकुर पराक्रमसिंह वाघेला की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में आसपास के राजपूत समाज के गावों से बड़ी संख्या में समाजबंधु शामिल हुए। सभी समाजबंधुओं को पूज्य श्री तनसिंहजी जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री क्षत्रिय युवक संघ के मध्य गुजरात संभाग एवं श्री राजपूत विकास ट्रस्ट साणंद, श्री समस्त गुजरात राजपूत समाज, श्री चोविसी चौहान समाज सेवा ट्रस्ट, श्री वाघेला (सोलंकी) राजवंश इतिहास संशोधन ट्रस्ट गुजरात

द्वारा संयुक्त रूप से लिया गया। इसी प्रकार काणेटी गांव में भी विजयादशमी मनाई गई जिसमें गांव के राजपूत समाज के युवाओं ने रैली निकाली और शस्त्र, शास्त्र और शमी का पूजन किया।

श्री राजपूत विकास ट्रस्ट, साणंद द्वारा शरदोत्सव का आयोजन

श्री राजपूत विकास ट्रस्ट, साणंद के तत्वावधान में साणंद स्थित केडी फार्म में राजपूत समाज के मातृशक्ति परिवार के लिए 28 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। साणंद की पूर्व राजमाता कात्यायनी कुमारी के साथ साणंद राजपूत समाज के रीयल एस्टेट क्षेत्र से मातृशक्ति कार्यक्रम में सम्मिलित हुई। अनिलसिंह गोधावी (प्रमुख श्री राजपूत विकास ट्रस्ट, साणंद) और इलाबा राणा (प्रमुख श्री राजपूत विकास ट्रस्ट महिला पांख) द्वारा ट्रस्ट के अन्य कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर व्यवस्था का दायित्व संभाला गया।

केसुआ (जालोर)...

शिविर में केसुआ, सरण का खेड़ा, लुणोल, वडवज, उथमण, मांडाणी, चौरा, सुरावा, तेजावास, डबाल, थुम्बा, नया प्रताप गढ, पुर, जाविया, कारौला, टुआ आदि गांवों सहित पाली, जालोर, साचौर, भीनमाल, बालोतरा आदि क्षेत्रों के 100 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। विदाई के समय शिविर प्रमुख द्वारा श्री कृष्ण द्वारा गुरू सांदीपनी से दीक्षा पाकर 16 वर्ष की उम्र में कर्तव्य पथ पर लग जाने का उदाहरण देते हुए कहा कि उसी प्रकार आप भी श्री क्षत्रिय युवक संघ जैसे गुरू की शिक्षा पाकर कर्त्तव्य पथ पर चलायमान हो जाएं, यही पूज्य तनसिंह जी और संघ की चाह है। हरि सिंह केसुआ ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था का दायित्व संभाला।

निम्बज, वडवज, रोहुआ, मंडार, डांगराली, नागाणी, भैरूगढ , मकावल, फलवदी, टूआ, जैला, मेर मांडवाडा, उचमत, हडमतिया, हमीरपुरा आदि गांवों के समाजबंधु भी सहयोगी रहे। शिविर के दौरान जालोर संभाग के स्वयंसेवकों का स्नेहमिलन भी 9 नवंबर को रखा गया जिसमें संभाग के पांचों प्रांतों के स्वयंसेवक उपस्थित रहे एवं शिविर के रात्रि कार्यक्रम में भी शामिल हुए। स्नेहमिलन में प्रेम भारती जी गजीपुरा, कुलदीप भारती जी गोलीटुक, धर्मराज भारती जी गुरुशिखर आदि संतों का भी सान्निध्य रहा। संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी एवं सिरोही प्रांत प्रमुख ईश्वर सिंह सारण का खेड़ा भी सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे। जोधपुर संभाग के शेरगढ़ प्रांत के तेना मंडल में गड़ा गांव में स्थित नागणेच्यां माता मंदिर परिसर में भी सात दिवसीय माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर 4 से 10 नवंबर की अवधि में संपन्न हुआ। शिविर का संचालन खींव सिंह सुल्ताना ने किया। उन्होंने शिविर के अंतिम दिन शिविरार्थियों को दिए विदाई संदेश में कहा कि हमने इस सात दिवसीय शिविर में हमारे आप्त पुरुषों, हमारे पूर्वजों के उस मार्ग को जाना जिस पर चल कर अपने कर्तव्य कर्म का पालन करते हुए उन्होंने भारतीय संस्कृति का निर्माण किया, उसे पोषित किया। उनके त्याग और बलिदान ने भारतीय संस्कृति और सभ्यता की न केवल बाहरी अक्रमणकारियों से बल्कि राष्ट्र के भीतर के विघटनकारी तत्वों से भी रक्षा की। हमने भी उसी मार्ग को चुना है और उस मार्ग पर चलने के लिए जिन संस्कारों की आवश्यकता है, जिस सामर्थ्य की आवश्यकता है, शिविर के विभिन्न कार्यक्रमों में उसका अभ्यास भी किया। हमारा ये अभ्यास सतत रूप से चलता रहेगा तो ही हम उस सामर्थ्य को प्राप्त करेंगे जो हमारे स्वधर्म - क्षात्रधर्म के पालन के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमने जिस मार्ग को पाया है उसे छोड़ें नहीं और यह तभी संभव होगा जब हम सतत रूप से संघ के संपर्क में रहेंगे और सतत रूप से संपर्क का माध्यम है शाखा और शिविर। हम शाखा के माध्यम से प्रतिदिन इस अभ्यास को करते रहें, समय-समय पर शिविरों में आते रहें तो निश्चित रूप से हमारे जीवन में वे श्रेष्ठतायें आएंगी जिन्हे संघ लाना चाहता है। 8 से 10 नवंबर तक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गजेंद्र सिंह आऊ भी शिविर उपस्थित रहे। उन्होंने शिविरार्थियों को शाखा का महत्त्व, शाखा के संचालन का तरीका व उसके नियमों के बारे में बताया एवं कहा कि संघदर्शन को अपने जीवन में उतारने का माध्यम शाखा द्वारा नियमित और निरंतर अभ्यास ही है। इसलिए आप जहां भी रहते हैं, वहां शाखा में जाएं और यदि वहां शाखा नहीं लगती है तो आप स्वयं यहां बताए नियमों का पालन करते हुए शाखा प्रारंभ करें। शिविर में गड़ा, नाहर सिंह नगर, पंचवटी छात्रावास सेतरावा, राजपूत छात्रावास ओसियां आदि स्थानों से 80 शिविरार्थियों ने संघ का माध्यमिक स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त किया। मालम सिंह, भंवर सिंह, नखत सिंह ने समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से व्यवस्था का जिम्मा संभाला।

अनिरुद्ध सिंह काणेटी को मातृशोक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक **अनिरुद्ध सिंह काणेटी** की माताश्री मयाबा धीरूभा वाघेला का देहावसान 30 अक्टूबर 2023 को 78 वर्ष की आयु में हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

अनिरुद्ध सिंह काणेटी

श्री प्रताप फाउंडेशन: सहयोगियों के प्रश्नों का समाधान

आत्मीय समाज जनों, सादर जय संघ शक्ति।

श्री प्रताप फाउंडेशन की स्थापना वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था में हमारे समाज की सहभागिता एवं प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए समाज के तत्कालीन राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के आग्रह पर की गई थी। अपनी स्थापना से ही श्री प्रताप फाउंडेशन इस दिशा में आप सबके सहयोग से अपनी क्षमता अनुसार प्रयत्नशील है। वर्तमान व्यवस्था में राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए चुनाव सबसे उपयुक्त अवसर होता है और आगामी 25 नवंबर को राजस्थान विधानसभा के चुनाव होनें जा रहे हैं, राजस्थान में हमारी सहभागिता एवं भागीदारी बढ़ाने का यह महत्त्वपूर्ण अवसर है इसलिए हमें सावधानी एवं समझदारी पूर्वक एक समाज के रूप में निर्णय लेते हुए मतदान करना चाहिए। इस बाबत श्री प्रताप फाउंडेशन के सहयोगी, समर्थक एवं कार्यकर्ता के रूप में हमारे सामने अनेक प्रश्न खड़े होते हैं, और विभिन्न माध्यमों से आप इन्हें प्रेषित करते रहते हैं। श्री प्रताप फाउंडेशन के उद्देश्य, समाज की वर्तमान स्थिति एवं वर्तमान राजनीतिक वातावरण के आलोक में इनके उत्तर निम्नानुसार हैं।

Q. हमें आगामी विधानसभा में हमारा प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए क्या करना चाहिए?

Ans. इसके लिए सबसे मुख्य बात तो शतप्रतिशत मतदान करना है, यदि ऐसा करेंगे तब ही हमारी भागीदारी बढ़ेगी इसलिए हर सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता को इस दिशा में प्रयास करना चाहिए। उसके बाद हमारे प्रतिनिधित्व की जहां तक बात है तो प्रदेश में दो मुख्य राजनीतिक दल हैं। भारतीय जनता पार्टी में विगत चार चुनावों से हमारे प्रत्याशियों की संख्या कम होती जा रही थी। 2003 में हमें 31 टिकटें मिलीं थीं जो उसके बाद हर चुनाव में घटती गईं और 2018 में 25 रह गईं। इस बार इनके घटने का क्रम बंद हुआ है और 26 टिकटें मिलीं हैं। कांग्रेस ने हमें विगत बार की तरह ही 14 टिकटें दी हैं। इस प्रकार दोनों मुख्य दलों से हमें 40 टिकटें मिलीं हैं जिनमें 5 आमने सामने हैं जिनमें से कोई एक आवश्यक रूप से विधानसभा में पहुंचेगा तो 5 विधायक तो जीत ही जायेंगे। शेष 30 स्थानों पर भाजपा या कांग्रेस से अकेले उम्मीदवार हैं वहां हमें एक तरफा वोटिंग कर उन्हें विधानसभा में भेजना चाहिए।

Q. जहां से राजपूत उम्मीदवार नहीं हैं वहां क्या करना चाहिए?

Ans. ऐसे स्थानों पर वहां के समाज के लोगों को बैठकर विचार करना चाहिए और जो हमारे समाज के प्रति सद्भावी है, हमारा सहयोगी हैं, हमारे समाज के प्रति सम्मान का भाव रखता है, उसे जिताने में सहयोग करना चाहिए।

Q. क्या श्री प्रताप फाउंडेशन इस बाबत केन्द्रीय स्तर पर किसी एक के पक्ष में या विरोध में मतदान के निर्देश जारी कर रहा है?

Ans. श्री प्रताप फाउंडेशन समाज का निर्देशक या मार्गदर्शक नहीं बल्कि सहयोगी है इसलिए समाज के लिए निर्देश जारी नहीं करता बल्कि वस्तुस्थिति से अवगत करवा कर उचित निर्णय लेने का निवेदन करता है इसलिए इस बार भी ऐसा नहीं कर रहा है। उस आधार पर समाज के स्थानीय सभी लोग मिलकर जो निर्णय करते हैं, उसी में अपनी सहमति व्यक्त करता है।

Q. दोनों मुख्य राजनीतिक दलों के अतिरिक्त राजपूत उम्मीदवारों के बारे में श्री प्रताप फाउंडेशन की क्या राय है?

Ans. ऐसे अनेक विधानसभा क्षेत्र हैं जहां राजपूत की दावेदारी थी और कांग्रेस भाजपा ने टिकट नहीं दिया और वहां से निर्दलीय राजपूत खड़ा हुआ है या कोई राजपूत किसी अन्य दल से लगातार तैयारी कर मजबूत विकल्प बने हैं तो हमें समाज के रूप में उनका पूरा सहयोग करना चाहिए। हमारे समाज में अनेक लोग अपने स्वतंत्र व्यक्तित्व के बल पर निर्दलीय या छोटे दलों से विधायक बने हैं। इस बार भी राजगढ़, उदयपुरवाटी, मावली, ब्यावर, नसीराबाद आदि बहुत सारे विधानसभा क्षेत्रों में हमें ऐसी संभावनाओं में सहयोग करना चाहिए।

Q. यदि किसी पार्टी के अधिकृत राजपूत प्रत्याशी के सामने निर्दलीय राजपूत हो तो क्या करना चाहिए?

Ans. प्राथमिक तौर पर तो श्री प्रताप फाउंडेशन का यही मानना है कि जीतने की संभावना मुख्य राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों की ही अधिक होती है क्यों कि उस पार्टी का अपना स्वयं का एक वोट बैंक होता है जो उस प्रत्याशी को टिकट के साथ ही मिल जाता है। इसीलिए भाजपा या कांग्रेस का टिकट पाने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर एवं सामाजिक स्तर पर इतने अधिक प्रयास किए जाते हैं और इस बार भी ऐसे प्रयास किए गए तब ही भाजपा में 25 से 26 हुए। हालांकि कांग्रेस में हम टिकटों की संख्या बढ़ाने में सफल नहीं हो पाये। इसलिए जो टिकट लेकर आया है उसका ही सहयोग करना चाहिए। लेकिन अनेक बार ऐसी परिस्थितियां बनती हैं कि टिकट वितरण में मजबूत प्रत्याशी की अवहेलना हो जाती है। ऐसे में समाज के स्थानीय लोगों को मिलकर तय करना चाहिए। समाज के राजनीतिक रूप से अनुभवी व परिपक्व लोगों को यदि लगता है कि भाजपा या कांग्रेस का हमारा प्रत्याशी जीतने की स्थिति में नहीं है और हमारे ही समाज का अन्य प्रत्याशी मौजूद है जिसकी वास्तव में जीतने की संभावना है तो उसको सहयोग करना चाहिए। लेकिन केवल हमारे समाज के वोटों का बंटवारा करने के लिए, केवल अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए, समाज के वोटों के बल पर अपना राजनीतिक अस्तित्व बनाने अथवा बचाने के लिए या मुख्य राजनीतिक दलों के राजपूत प्रत्याशी को हराने के उद्देश्य से कोई खड़ा होता है तो उसका सहयोग नहीं करना चाहिए। मुख्य बात यह है कि समाज के वोटों के बंटवारे को रोकने का हर संभव प्रयास करना चाहिए।

Q. क्या श्री प्रताप फाउंडेशन किसी राजनीतिक दल या जाति के बहिष्कार की बात का समर्थन करता है?

Ans. श्री प्रताप फाउंडेशन समाज का राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए बना है ऐसे में यदि वह किसी राजनीतिक दल के बहिष्कार की बात करेगा तो उस दल से मिलने वाले प्रतिनिधित्व का मार्ग ही बंद कर रहा है। इसीलिए आज की स्थिति में श्री प्रताप फाउंडेशन किसी भी राजनीतिक दल के बहिष्कार की बात नहीं करता, भविष्य की संभावनाएं भविष्य के गर्भ में छिपी हैं। इसी प्रकार श्री प्रताप फाउंडेशन किसी भी जाति, संप्रदाय के प्रत्याशी का केवल जाति, संप्रदाय के आधार पर बहिष्कार की बात भी नहीं करता बल्कि रणनीतिक रूप से हमारे सहयोगी उम्मीदवार को विधानसभा में भेजने की बात करता है और हमारे से द्वेष रखने वाले, हमारे समाज के प्रति असहयोग व असम्मान प्रकट करने वाले प्रत्याशी के मजबूत विकल्प को सहयोग करने की बात करता है।

Q. दोनों मुख्य राजनीतिक दलों (भाजपा व कांग्रेस) के समर्थन या विरोध के बारे में श्री प्रताप फाउंडेशन का क्या मानना है?

Ans. श्री प्रताप फाउंडेशन का मानना है कि दोनों ही राजनीतिक दलों में हमारे सहयोगी और विरोधी मौजूद हैं। भाजपा हमें प्रतिनिधित्व अधिक देती है इसलिए वहां हमारी बात कहने वाले लोग अधिक हैं, कांग्रेस में टिकटें ही कम मिलती हैं इसलिए हमारा पक्ष रखने वाले लोग भी कम होते हैं। इसलिए दोनों पार्टियों ने जिसको भी अवसर दिया है उन्हें जीता कर हमें हमारा प्रतिनिधित्व बढ़ाना चाहिए। जहां दावेदारी थी और टिकट नहीं दी गई, वहां आगामी चुनावों में दावेदारी कैसे बन सकती है, ऐसी योजना बनाकर मतदान करना चाहिए लेकिन यह भी ध्यान रखना चाहिए कि ऐसी स्थिति में हम केवल नकारात्मक मतदान नहीं करें बल्कि हमारे समाज के समग्र हितों को ध्यान में रखते हुए एक तरफा मतदान करें।

☛ अन्य विषयों पर देखें तो केन्द्र की भाजपा सरकार ने आर्थिक आधार पर आरक्षण को संभव बनाया जो एक ऐतिहासिक कदम है लेकिन उसकी शर्तें ऐसी बना दीं कि हमारे लिए वह लाभकारी नहीं रहा। राज्य की सरकार ने उसकी शर्तों को व्यवहारिक बनाकर हमारा सहयोग किया जो प्रशंसनीय कार्य है और हम इसके लिए कांग्रेस के आभारी हैं। केन्द्र में इसकी शर्तों के सरलीकरण के लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कुछ भी सकारात्मक नहीं हुआ है, यह भाजपा के लिए भी विचारणीय है और राजपूत मतदाता के लिए भी विचारणीय है।

☛ एक अन्य विषय इतिहास के विकृतिकरण को लेकर है। समाज इसको लेकर उद्वेलित है। दोनों ही पार्टियों में हमारे विरोधी इस विषय में क्रियाशील हैं। अनेक भाजपा नेता और उनके समर्थक हमारे ऐतिहासिक महापुरुषों की पहचान को विकृत करने में संलग्न है, हमें उनको सबक सिखाना चाहिए। इसी प्रकार कांग्रेस में अनेक लोग हमारे गौरवशाली अतीत के प्रति कुंठाएं पाले हुए हैं। वर्तमान राज्य सरकार के मंत्रियों ने स्कूली पाठ्यक्रम में हमारे इतिहास को विकृत करने का जो प्रयास किया वह हमें स्मरण रखना चाहिए और फिर उनकी पार्टी ने जिस प्रकार उन्हें पुरस्कृत किया वह भी वोट देते समय याद रखने जैसी बात है।

☛ **उपरोक्त स्थितियों में यही निष्कर्ष निकलता है कि हमें पार्टियों के समर्थन या विरोध की बात करने की अपेक्षा हमारी बात करने वाले सहयोगियों को जिताने एवं हमारे प्रति कुंठा पाल कर सत्ता में आने पर हमारे समाज का विरोध करने वाले या हमारे समाज के लोगों को परेशान करने वाले, उनके वैध कामों में भी अड़चन डालने वाले लोगों को हराना चाहिए।**

महावीर सिंह सरवड़ी
संयोजक, श्री प्रताप फाउंडेशन

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org